एक नजर में

पांच माह से लंबित हुआ वेतन भुगतान

गुना। जिला चिकित्सालय गुना में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों को विगत पाँच माह से लंबित वेतन का भुगतान किए जाने से कर्मचारियों में हर्ष का वातावरण देखने को मिला। यह वेतन भुगतान कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के कुशल निर्देशन एवं जिला श्रम पदाधिकारी के अथक प्रयासों से संभव हुआ। आउटसोर्स एजेंसी वर्ल्ड क्लास सर्विसेस लिमिटेड द्वारा विगत पाँच माह से कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया जा रहा था, जिस पर सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज की गई थी। इस शिकायत के निराकरण के लिए श्रम पदाधिकारी गुना द्वारा कार्यालयीन पत्र के माध्यम से संबंधित एजेंसी को वेतन तीन दिवस के भीतर भुगतान करने के निर्देश जारी किए गए थे। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 04 अगस्त 2025 को रक्षा बंधन पर्व के पूर्व संबंधित कर्मचारियों के बैंक खातों में बकाया वेतन का भुगतान किया गया।

कलेक्टर के निर्देश पर बुजुर्ग को मिली सहायता

गुना। टेकरी रोड, साई सिटी कॉलोनी निवासी रघुनाथ सिंह (पुत्र श्री जूजम सिंह) द्वारा कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल को वृद्धाश्रम में भर्ती किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था। इस पर मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए कलेक्टर श्री कन्याल ने तत्काल संयुक्त कलेक्टर डॉ. संजीव खेमरिया को समस्या के निराकरण के निर्देश दिए। उनकी समस्या को गंभीरता से सुना और तत्परता दिखाते हुए उन्हें सेवा भारती आनंदधाम वृद्धाश्रम में भर्ती कराया।

पोस्टमार्टम रूम तक नहीं पहुंची एंबुलेंस, कंधे पर उठाकर लाए शव

जिला अस्पताल में बदहाल व्यवस्थाओं की फिर खुली पोल, वाहन पार्किंग बनी बड़ा सिरदर्द

नवभारत न्यूज

गुना 5 अगस्त. जिला अस्पताल परिसर में अव्यवस्थाओं का आलम इतना बदतर हो चुका है कि मृतकों को भी इज्जत से विदाई नहीं मिल पा रही। सोमवार को सडक हादसे में जान गंवाने वाले एक व्यक्ति का शव जब पोस्टमार्टम के बाद एंबुलेंस में ले जाना था, तो परिजनों को खुद शव कंधे पर उठाकर ले जाना पड़ा। वजह यह रही कि पोस्टमार्टम रूम तक एंबुलेंस नहीं पहुंच सकी। अस्पताल परिसर में बेतरतीब वाहन पार्किंग और जाम की स्थिति ने फिर एक बार अस्पताल प्रबंधन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

घटना के अनुसार खडगपुरा निवासी जयराम सिंह (60) की सोमवार को एक सडक हादसे में मौत हो गई थी। बताया गया कि वह बैंक से पैसे निकालने गुना आए थे और लौटते समय मैजिक वाहन से गिरकर घायल हो गए थे। बाद में अस्पताल लाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम रूम में रखा गया, जहां मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम किया गया। इसके बाद जब शव को एंबुलेंस में ले जाना था, तो वाहनों की भीड़ के कारण एंबुलेंस पोस्टमार्टम रूम तक नहीं पहुंच सकी। मजबूरन परिजनों ने शव को खुद उठाकर मुख्य सडक तक पहुंचाया, जहां एंबुलेंस खड़ी थी।

वाहनों की भरमार बनी परेशानी की जड़

जिला अस्पताल परिसर में लंबे समय से पार्किंग व्यवस्था अस्त-व्यस्त है। नियमानुसार चार पहिया वाहन अंदर नहीं आने चाहिए, लेकिन निजी गाडियां, ऑटो, निजी एंबुलेंस और कई बार असंगठित रूप से खड़े वाहन परिसर को जाम किए रहते हैं। पार्किंग शुल्क वसूलने के बावजूद न तो व्यवस्था बनती है और न ही वाहनों की आवाजाही पर नियंत्रण होता है। अस्पताल के मुख्य भवन से लेकर पुलिस चौकी, रेडक्रॉस भवन और मैटरनिटी वार्ड के आसपास वाहन बेतरतीब खड़े रहते हैं। यहां तक कि आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस को भी रास्ता नहीं मिलता।

नहीं सुधर रहा प्रबंधन, रोज बढ़ रही दिक्कतें

अस्पताल में पार्किंग को लेकर कई बार शिकायतें और मीडिया में खबरें सामने आ चुकी हैं, लेकिन व्यवस्था में सुधार की कोई ठोस कोशिश अब तक नहीं हुई है। नतीजा यह है कि गंभीर मरीजों को ले जाने वाली एंबुलेंस हों या शव वाहन सभी को जाम में फंसने की नौबत आती है। घटना के बाद परिजनों ने गहरी नाराजगी जताई और कहा कि कम से कम मृतकों को सम्मानजनक विदाई देने के लिए सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। जांच में जुटी पुलिस, मर्ग कायम सडक हादसे में हुई मौत के मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। वहीं अस्पताल प्रबंधन की ओर से इस गंभीर अव्यवस्था पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। स्थानीय लोगों की मांग है कि अस्पताल परिसर की पार्किंग व्यवस्था को तत्काल सुधारने के लिए प्रशासनिक हस्तक्षेप हो, ताकि इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों।

मधुसूदनगढ़ अस्पताल में नहीं मिला समय पर इलाज, घायल युवक ने तड़पते हुए तोड़ा दम, डॉक्टर नहीं मिले, परिजन घंटों करते रहे गुहार

जिले के मधुसूदनगढ़ के सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में लापरवाही एक युवक की जान ले गई। सडक हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को जब परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे तो वहां न तो डॉक्टर मिले, न ही समय पर इलाज। तड़पते हुए घायल युवक ने अस्पताल परिसर में ही दम तोड़ दिया। मौत के बाद गुस्साए परिजनों ने आरोप लगाया कि डॉक्टर समय पर पहुंचे होते तो आकाश की जान बचाई जा सकती थी।

घटना सोमवार देर शाम की है। मधुसूदनगढ़ क्षेत्र के पास सडक हादसे में घायल हुआ युवक आकाश, घुमक्कड़ समुदाय से था। परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, लेकिन वहां मौजूद स्टाफ ने डॉक्टर की गैरमौजूदगी का हवाला दिया। परिजनों ने कई बार डॉक्टर को बुलाने की मांग की, लेकिन न तो डॉक्टर आए और न ही कोई प्राथमिक उपचार मिला। देखते ही देखते युवक की हालत बिगड़ती गई और कुछ ही देर में उसने दम तोड़ दिया।

वीडियो वायरल, स्थानीय नेताओं ने जताया आक्रोश

पूरे घटनाक्रम के बाद परिजन अस्पताल परिसर में घंटों बिलखते रहे। उनकी चीखें और दर्द सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया। वीडियो में परिजनों का रो-रोकर बयान सामने आया है, जिसमें वे अस्पताल की व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी घटना को गंभीर बताते हुए प्रशासन से तुरंत जांच और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि इस मामले की जानकारी जिला कलेक्टर को भी दे दी गई है।

प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ गुस्सा

घटना के बाद क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भारी नाराजगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की गैरमौजूदगी अब आम बात हो गई है और इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। आकाश की मौत ने यह सवाल फिर खड़ा कर दिया है कि क्या सरकारी अस्पतालों में जीवन बचाने की कोई जिम्मेदारी शेष रह गई है?

एक पेड़ माँ के नाम अभियान :वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

राघौगढ़। नगर पालिका परिषद राघौगढ़ द्वारा अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत अमृत हरित महा अभियान के तहत एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी तेज सिंह यादव के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर में फलदार एवं छायादार पौधे रोपित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य नगर क्षेत्र में हरियाली को बढ़ावा देना, पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करना और जनभागीदारी को सशक्त बनाना रहा। मुख्य नगर पालिका अधिकारी तेज सिंह यादव ने सभी नगरवासियों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में नगर के अन्य क्षेत्रों में भी इसी तरह पौधरोपण किया जाएगा। इस अवसर पर वार्ड पार्षद गोपाल पटवा, आजीविका मिशन से जयंती मल्लिक, स्वच्छता प्रभारी कीर्ति सिंह, अमृत मिशन से आरिफ खान, नगर पालिका कर्मचारी एवं सहायता समूह के अमृत मित्र भी उपस्थित रहे।

बीमारी से जूझ रहे ग्यारसीराम को मिला प्रशासन का सहारा

गुना। ग्राम नैत्याखेड़ी निवासी ग्यारसीराम यादव पुत्र घासीलाल यादव को चिकित्सकीय उपचार हेतु आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस पर उन्होंने कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल को सहायता हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन में बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर है तथा उन्हें इलाज और संबंधित जांचों के लिए तत्काल एक हजार रूपये की आवश्यकता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल संज्ञान लेते हुए रेडक्रॉस सोसाइटी से 5 हजार रूपये की आर्थिक सहायता दी।

नगरपालिका गुना करा रही कीटनाशक का छिड़काव

गुना। नपाध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता के नेतृत्व में ,मुख्य नगर पालिका अधिकारी मंजुषा खत्री के मार्गदर्शन में नगर पालिका परिषद गुना द्वारा, विगत दिनों आई बाढ़ के कारण विभिन्न क्षेत्रों में जल भराव हो गया था। जिसकी अभियान चला कर सफाई कराई गई तथा कल से जल भराव वाले क्षेत्रों में जहां पानी जमा है, उन स्थानों पर एंटी लार्वा एवं कीटनाशक दवाओं का छिडकाव किया जा रहा है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री मंजुषा खत्री ने बताया कि आज द नगरीय क्षेत्र की पवन कॉलोनी, व्हीआईपी कॉलोनी, आदि क्षेत्रों मे क्रिसोलिक पाउडर, कार्बोलिक पाउडर तथा एंटी लारवा ,मलेरिया ऑयल का छिडकाव किया गया जिससे क्षेत्र में कीट जनित बीमारियों को रोकथाम करने में सहायता होगी, इस दौरान इन क्षेत्रों में फॉगिंग भी कराई गई है

सावन सोमवार को निकली भव्य कांवड़ यात्रा और शिव पालकी

नवभारत न्यूज

गुना। सावन माह के अंतिम सोमवार को गुना शहर भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंगा नजर आया। इस अवसर पर केदारनाथ से निकली भव्य कावड़ यात्रा का समापन शहर के प्रसिद्ध बांसखेड़ी मंदिर में हुआ। कावड़ यात्रा और शिव पालकी में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए, जिन्होंने भोलेनाथ के जयकारों के साथ नगर की गलियों को गुंजायमान कर दिया। यह धार्मिक यात्रा एक अनूठा संगम रही, जिसमें युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं ने एकजुट होकर भाग लिया।

केदारनाथ से गंगाजल लाकर श्रद्धालु भोलेनाथ के चरणों में समर्पित करने के लिए पैदल चलकर बांसखेड़ी मंदिर पहुंचे। शिवभक्तों के जोश और भक्ति भाव का यह नजारा देखते ही बनता था। यात्रा के दौरान पूरे रास्ते में श्रद्धालुओं के लिए जलपान, फल वितरण और आराम की व्यवस्था की गई थी। विभिन्न सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों ने सेवा शिविर लगाकर भक्तों की सेवा की। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर कावड़ यात्रियों का स्वागत किया गया, वहीं ढोल-नगाड़ों और भजन-कीर्तन से माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया। कावड़ यात्रा के समापन पर बांसखेड़ी मंदिर में विशेष रुद्राभिषेक, आरती और महाप्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा और पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई।

गुना तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार बने निश्चय मित्र

गुना। क्षय रोगियों को पोषण आहार उपलब्ध कराने हेतु लगातार जिले में निश्चय मित्र बनाने की प्रक्रिया जारी है। इसी क्रम में आज गुना तहसीलदार जी.एस. बैरवा एवं नायब तहसीलदार नरेंद्र सिंह यादव से मुलाकात कर निक्षय मित्र बनने हेतु आग्रह किया, दोनों ने सहमति पत्र भरकर एक एक रोगी को पोषण सहायता प्रदान करने हेतु सहमति दी एवं आवश्यक राशि भी प्रदान की।

जिला व्यापारी संघ के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल एवं लीडर्स क्लब के अध्यक्ष श्री महावीर जैन के साथ भेंट करके निक्षय मित्र बनने हेतु आग्रह किया गया, दोनों ने ही अधिक से अधिक टीबी रोगियों को पोषण सहायता प्रदान करने हेतु सहमति व्यक्त की।

नालों और पुल-पुलियों की सफाई में गड़बड़ी का आरोप

पूर्व विधायक सलूजा ने की टेंडर निरस्त करने की मांग

गुना। नगर पालिका परिषद गुना द्वारा वर्षा ऋतु से पूर्व शहर के वार्ड क्रमांक 1 से 37 तक छोटे-बड़े नालों एवं पुल-पुलियों की सफाई के लिए जारी किए गए तीन अलग-अलग टेंडरों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पूर्व विधायक एवं नगर पालिका अध्यक्ष रह चुके राजेन्द्र सिंह सलूजा ने कलेक्टर को पत्र लिखकर इन टेंडरों में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है तथा उन्हें तत्काल निरस्त करने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगरपालिका ने 19 मई 2025 को तीन टेंडर जारी किए थे। पहला टेंडर (नं. 2025-यूएडी-424743-1) मैनुअल श्रमिकों से सफाई कराने के लिए था, जिसकी राशि 6 लाख रुपए निर्धारित की गई। दूसरा टेंडर (नं. 2025-यूएडी-424742-1) जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से सफाई कार्य के लिए था, जिसकी लागत 8 लाख रुपए तय की गई। तीसरा टेंडर (नं. 2025-यूएडी-424744-1) पोकलेन मशीन से सफाई कार्य हेतु 9 लाख रुपए का था।

राजेन्द्र सिंह सलूजा ने बताया कि 13 से 18 जून के बीच इन सभी टेंडरों के वर्क ऑर्डर संबंधित ठेकेदारों को जारी कर दिए गए। लेकिन वर्क ऑर्डर जारी होने के दिन से ही जिले में भारी वर्षा हो रही है, जिससे शहर के कई हिस्सों में जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। उन्होंने आरोप लगाया कि इन ठेकेदारों द्वारा न तो किसी प्रकार की सफाई कराई गई, न ही पोकलेन, जेसीबी अथवा ट्रैक्टर-ट्रॉली का उपयोग कहीं देखा गया है। इसके बावजूद नगर पालिका प्रशासन द्वारा फर्जी बिल बनाकर भुगतान की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। पूर्व विधायक ने कलेक्टर से मांग की है कि तीनों टेंडरों को तत्काल निरस्त कर इनके भुगतान पर रोक लगाई जाए, ताकि शासकीय राशि का दुरुपयोग रोका जा सके। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि बारिश समाप्त होने के बाद वास्तविक स्थिति का निरीक्षण कर पुनः नए सिरे से टेंडर जारी किए जाएं। उन्होंने इस मामले में दस्तावेजों की छायाप्रतियां भी आवेदन के साथ संलग्न की हैं। सलूजा ने इस पूरे मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो यह एक बड़ा भ्रष्टाचार साबित हो सकता है, जिसकी जिम्मेदारी सीधे तौर पर नगरपालिका प्रशासन पर होगी।

जनसुनवाई कहीं पुल की दरकार तो कहीं सड़क और आवास मरम्मत की मांग, बिजली कनेक्शन विवाद भी पहुंचा

जनसुनवाई में ग्रामीणों ने उठाईं समस्याएं, सौंपे ज्ञापन

नवभारत न्यूज

गुना। मंगलवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित जनसुनवाई में विभिन्न गांवों से पहुंचे ग्रामीणों ने अपनी-अपनी समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपे। टगरया कला के लोगों ने नदी पर पुल निर्माण, इकोदिया चक्क के ग्रामीणों ने सडक मरम्मत, गढलागिर्द के सहरिया आदिवासियों ने कुटीरों की मरम्मत और मुहालपुर की एक महिला ने मकान पर अवैध कब्जा व बिजली कनेक्शन को लेकर शिकायत की।

नदी पर पुल निर्माण की मांग ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

जनसुनवाई में मंगलवार को राघौगढ़ जनपद की ग्राम पंचायत टगरया कला के पहाडगढ़ गांव से बड़ी संख्या में ग्रामीण जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और नदी पर पुल निर्माण की मांग को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव की आबादी 350 से अधिक है, जिसमें आदिवासी भील समाज के परिवार निवास करते हैं। गांव के बीच से एक बड़ी नदी बहती है, जिस पर आज तक पुल नहीं बना है। गांव के कमलेश, रामसूरूप, असलामा, हरिओम आदि ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के मौसम में यह नदी विकराल रूप ले लेती है, जिससे गांव का संपर्क पूरी तरह टूट जाता है। नदी पार गर्भवती महिलाओं को इलाज के लिए ले जाना तक संभव नहीं हो पाता। ऐसी स्थिति में मजबूरीवश कुंभराज में किराये पर कमरा लेकर रहना पड़ता है। वहीं, बच्चे भी पढ़ाई के लिए गांव से बाहर नहीं जा पाते। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के इस ओर पीने के पानी का कोई स्रोत नहीं है, इसलिए नदी पार स्थित कुएं से पानी लाना भी बारिश में नामुमकिन हो जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि वे कई बार जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को अपनी समस्या से अवगत करा चुके हैं, लेकिन अब तक किसी ने स्थायी समाधान नहीं निकाला। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र पुल निर्माण का काम शुरू नहीं हुआ, तो वे सडक जाम करने जैसे कदम उठाने को मजबूर होंगे।

इधर जनसुनवाई के दौरान मंगलवार को इकोदिया चक्क पंचायत मंगवार के दर्जनों ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे और ग्राम इकोदिया से इकोदिया चक्क (अहिरवार बस्ती) तक की सडक की हालत सुधारने की मांग को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने आवेदन में उल्लेख किया कि गांव तक पहुंचने वाला यह मार्ग पूरी तरह से कच्चा और गड्ढों से भरा हुआ है। बारिश के दिनों में स्थिति और भी खराब हो जाती है, जिससे पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि इस खराब रास्ते के कारण गांव की गर्भवती महिलाओं को इलाज के लिए खटिया पर ले जाने की मजबूरी बन जाती है। ग्रामीणों ने जिलाधीश से अनुरोध किया कि वे शीघ्र ही इस मार्ग का निर्माण कार्य शुरू कराएं ताकि लोगों को राहत मिल सके।

उनका कहना है कि यह सडक वर्षों से उपेक्षित है, लेकिन अब समय आ गया है कि इसे स्थायी रूप से सुधारा जाए। इस अवसर पर इकोदिया चक्क के ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो उन्हें बड़ा आंदोलन करना पड़ सकता है। इसके अलावा ग्राम गढलागिर्द से पहुंचे सहरिया आदिवासी समुदाय के लोगों ने कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौंपा।

दूसरे के कब्जे में चल रहा था मकान, बिना अनुमति के ले लिया बिजली कनेक्शन, पीड़िता ने की शिकायत

वहीं ग्राम मुहालपुर स्थित साईंपुरम कॉलोनी में एक महिला के मकान पर कब्जा कर एक अन्य व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से बिजली कनेक्शन लिए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़िता जयंती भार्गव पत्नी मुन्नालाल भार्गव ने सहायक यंत्री, मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, गुना को लिखित आवेदन सौंपकर उचित कार्रवाई की मांग की है। जयंती भार्गव द्वारा प्रस्तुत आवेदन में कहा गया है कि उनका मकान ग्राम मुहालपुर साईंपुरम कॉलोनी में स्थित भवन भूमि सर्वे नंबर 1/1/3, रकबा 1000 वर्गफुट में स्थित है। वह छत्तीसगढ़ में निवास करती हैं, जिसका फायदा उठाकर हरिओम रघुवंशी नामक व्यक्ति ने उनके भवन पर अवैध कब्जा कर लिया है। इतना ही नहीं, उसने पीड़िता की जानकारी और सहमति के बिना बिजली विभाग से मकान पर अवैध रूप से विद्युत कनेक्शन भी ले लिया है। प्रार्थिया का कहना है कि उन्होंने कभी भी इस मकान में स्वयं या किसी अन्य व्यक्ति के नाम से बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन नहीं किया। बिना स्वामी की अनुमति के विद्युत कनेक्शन दिया जाना कानूनन गलत है। इसलिए उन्होंने विभाग से अनुरोध किया है कि मामले की जांच कर भवन पर जारी अवैध विद्युत कनेक्शन को तत्काल प्रभाव से काटा जाए। पीड़िता ने यह भी आशंका जताई है कि भवन पर अवैध कब्जा और कनेक्शन से उनके स्वामित्व को नुकसान पहुंच सकता है।

ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने इंदिरा आवास योजना के तहत निर्मित कुटीरों की जर्जर हालत को लेकर चिंता जताई और प्रशासन से शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में बने 15 इंदिरा आवास कुटीर अब पूरी तरह टपकने और गिरने की स्थिति में पहुंच चुके हैं। छतों से पानी टपकता है, दीवारों में दरारें आ चुकी हैं, जिससे उनमें रहना जोखिम भरा हो गया है। ग्रामीणों ने कहा कि बारिश के दिनों में हालत और भी खराब हो जाती है और कभी भी जान-माल को खतरा हो सकता है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि सभी प्रभावित सहरिया आदिवासी वर्ग से आते हैं और उनके पास न तो दूसरा आश्रय है और न ही मरम्मत के लिए आर्थिक संसाधन। ऐसे में प्रशासन से मांग की गई कि मौके पर जांच कराई जाए और सुरक्षा की दृष्टि से तत्काल मरम्मत या पुनर्निर्माण की व्यवस्था कराई जाए।